xUu e lefdr ik"kd rRo ,o uk'khtho çc/ku

गन्ने की फसल में विभिन्न अवस्थाओं पर प्रयोग होने वाले समेकित पोषक तत्व एवं नाशीजीव प्रबंधन निम्नानुसार हैं:

¼d½ lefdr ik"kd rRo çc/ku

गन्ने की बुवाई वाली फसल में 150 कि.ग्रा. नत्रजन, 60 कि.ग्रा. फास्फोरस व 60 कि.ग्रा. पोटाश प्रति हेक्टेयर की संस्तुति है। पेड़ी की फसल में 30 कि.ग्रा. अतिरिक्त नत्रजन का प्रयोग करें। गन्ने के खेत में अच्छी तरह सड़ी हुई जैविक खाद (गोबर की खाद, कम्पोस्ट इत्यादि) 10 टन प्रति हेक्टेयर की दर से खेत की तैयारी के समय प्रयोग करें। इनके अलावा लगभग 25 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट, 10 कि.ग्रा. फेरस सल्फेट व 25 कि.ग्रा. सल्फर का प्रयोग प्रति हेक्टेयर की दर से अवश्य करें। नत्रजन की आधी मात्रा तथा फॉस्फोरस, पोटाश व अन्य सूक्ष्म तत्वों की पूरी मात्रा बुवाई से ठीक पहले खेत में प्रयोग करें। नत्रजन की शेष मात्रा को दो बराबर भागों में जून के महीने में प्रयोग कर दें।

पोटाश व सूक्ष्म तत्वों के प्रयोग से उपज अधिक मिलती है तथा नाशीजीवों का प्रकोप भी कम होता है। पेड़ी की फसल में अधिकांशतः लौह तत्व की कमी पाई गई है, जिसके उपचार हेतु 10 किग्रा फैरस सल्फेट प्रति हेक्टेयर की दर से यूरिया के साथ मिट्टी में मिलायें अथवा 50 ग्राम फैरस सल्फेट को 150 ग्राम यूरिया के साथ 15 लीटर पानी (1 टंकी) में घोल बनाकर 10 दिनों के अंतराल पर दो बार छिड़काव करें। प्रति हेक्टेयर 1000 लीटर पानी के घोल का प्रयोग करें।

¼[k½ lefdr uk'khtho çc/ku

1. खेत को पलेवा करके कुछ दिन छोड़ने से (स्टेल सीड बेड) खरपतवार जम जाते हैं जिन्हें यांत्रिक तरीकों से खेत की तैयारी के दौरान नष्ट कर दिया जाता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु एट्राजीन 50 डब्लू.पी. की 4 कि.ग्रा. मात्रा 600 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के 2–3 दिनों बाद प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। खड़ी फसल में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण हेतु 2,4–डी की 3 लीटर मात्रा 600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के डेढ़ महीने बाद प्रयोग करें। दलहनी व अन्य फसलों की सहफसली खेती में 2,4–डी का प्रयोग न करें।

2. सूत्रकृमियों के नियंत्रण हेतु ट्राइकोडर्मा नामक जैव नियंत्रक की 2–3 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के पूर्व मिट्टी में मिलायें अथवा कार्बोफ्यूरॉन (फ्यूराडान) 3% सी.जी. की 60 कि.ग्रा. मात्रा को प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में प्रयोग करें।

3. बुवाई के पूर्व गन्ने की दो आँख वाली पोरियों (बीज) को वीटावैक्स + थीरम के 3 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करें। दीमक व सफेद गिडार के लिए *ब्यूवेरिया बैसियाना*

नामक जैविक कीटनाशी के 2.5 कि.ग्रा. चूर्ण को 100–200 कि.ग्रा. उचित नमीयुक्त गोबर की अच्छी तरह सड़ी हुई खाद में मिलाकर 15 दिनों तक वृद्धि करके बुवाई से पूर्व खेत में अच्छी तरह मिला दें अथवा क्लोरपायरीफॉस 20% ई.सी. की 6.5 लीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में प्रयोग करें। सफेद गिड़ार के वयस्कों को लाईट ट्रैप के माध्यम से जून के महीने में एकत्रित करके नष्ट किया जा सकता है।

4. तना वेधक (कंसुआ) के प्रकोप होने पर (10% से अधिक मरी हुई ऊपरी पत्तियाँ होने पर) क्लोरपायरीफॉस 20% ई.सी. की 1.5 लीटर मात्रा अथवा क्लोरैंट्रानिलीपोर 18.5 एस.सी. (कोराजेन) की 350 मि.ली. मात्रा को 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

5. फसल की वृद्धि की अवस्था पर (75–90 दिनों के बीच) टॉप बोरर की रोकथाम हेतु कार्बोफ्यूरॉन (फ्यूराडान) 3% सी.जी. की 60 कि.ग्रा. मात्रा को प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिलायें अथवा क्लोरैंट्रानिलीपोर 18.5 एस.सी. (कोराजेन) की 350 मि.ली. मात्रा को 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

6. मई–जून माह में पोखाबोईंग रोग के लक्षण दिखने पर कार्बेंडाजिम की 1 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर 1000 लीटर घोल प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

7. जून से सितम्बर तक विभिन्न प्रकार के तना वेधकों के नियंत्रण हेतु ट्राइकोग्रामा परजीवी के 50000 अंडों को प्रति हेक्टेयर की दर से 15–20 दिनों के अन्तराल पर 3–4 बार खेत में प्रयोग करें।

8. मिली बग के नियंत्रण हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 एस. एल. की 1.5 लीटर अथवा डाईमेथोयट 30 ई.सी. की 1 लीटर मात्रा को 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

9. पायरिल्ला कीट के नियंत्रण हेतु क्लोरपायरीफॉस 20% ई.सी. की 1.5 लीटर अथवा मोनोक्रोटाफॉस 36% एस.एल. की 500 मि.ली. मात्रा को 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।

10. चूहों के दिखने पर जिंक फॉस्फाइड को आटे के साथ गोलियाँ बनाकर उनकी मांद के पास रखें।

lkfgR; ,oa lEikndu% डॉ. चन्द्रभानु, डॉ. बी.के. शर्मा, डॉ. दुष्यंत मिश्र एवं डॉ. आजाद सिंह पंवार
çdk'ku% निदेशक, भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ (उ.प्र.)
Qku% 0121–2888711, 2888611 **QSDl%** 0121–2888546
bZ ey% directoriifsr@yahoo.com **oSclkbV%** www.iifsr.res.in